



इति मरुव. सुखाश्यामरुव. शुभाश्यामरुव. अननका मरुव. सर्व
सिद्धिभययय. सर्वकर्मभुविह. धीयंकनूकं हहहहह हा
रुगवत्त. वक्रह नूकमा भ. मन्त्रवडी. रुवमहासमयसत्य आ
कुरु॥ ॥ रुनाव सर्वसत्त्वार्थ सिद्धीदत्ताय नमः ॥ गुरुध्वं व
दवीषय. पूननाय गमनाय च॥ ॐ आबजसुलवी सदन॥

२॥ १॥ व २॥

सायिका सर्वकथागतकथाहंसाययिष्यामीः शुद्धं बुद्धि
वाविष्णु ॥ ॥ ॐ सर्वकथागतकथाहंसाययिष्यामीः ॥ ॥ ॐ सर्वकथागतकथाहंसाययिष्यामीः ॥
हाय ॥ ॥ ॐ दिक् स्वाहा ॥ नासि यन्त्र धाया ॥ ॥ ॐ कायविष्णु ॥ ॥ ॐ कायविष्णु ॥ ॥
न स्वाहा ॥ ॥ ॐ साहाय ॥ ॥ ॐ सा कनं प्रतिक्रिया हा ॥ पूजा हा हा हा हा
या ॥ ॥ ॐ नमो हगव के पुष्प के ॥ नमो हगव के पुष्प के ॥ नमो हगव के पुष्प के ॥

नमो हगव के पुष्प के ॥ नमो हगव के पुष्प के ॥ नमो हगव के पुष्प के ॥ नमो हगव के पुष्प के ॥
या पुष्पावकी नमो स्वाहा ॥ पूजा हा हा हा हा ॥ ॥ ॐ नमो हगव के पुष्प के ॥
मथ कल्याणं प्रयव नमो हगव के पुष्प के ॥ नमो हगव के पुष्प के ॥ नमो हगव के पुष्प के ॥
संदनीयुक्तं प्रवीर्युक्तं प्रयव नमो हगव के पुष्प के ॥ नमो हगव के पुष्प के ॥ नमो हगव के पुष्प के ॥
म ॥ ॥ ॐ नमो हगव के पुष्प के ॥ नमो हगव के पुष्प के ॥ नमो हगव के पुष्प के ॥

गणेशाय नमः ॥ ॥ ॐ नमो हगव के पुष्प के ॥ नमो हगव के पुष्प के ॥ नमो हगव के पुष्प के ॥

सुननया ॥ ॐ सवेया यानयन यइ ॥ ख नजन खमहिना ॥

कुमभी धनिवज नी महा य की सु न न क २ इ ई रु २ खा हा ॥ यपाल

सखानं रु या ॥ ॐ व रु कि स क वि रु व ल खा हा ॥ यी रु सी रु की

का ॥ ॐ व जो द क ई खा हा ॥ व रु ग म य खा हा ॥ ॐ व रु ल ख स

ल य इ ॥ मणु ल ख ध न या ॥ ॥ न न ग म य न न न न न न न स हि

हं शी लं य स गा रु न का कि रु ड क यि यि लि का न य न य न वि

क की या खा य नं ॥ नं न रु नं म क वि रु क न नं य हा स ल य का
ला य ॥ य का या ल नी का य इ द व ल रु कि रु ला न नी मणु लं रु व रु
क न क व र्क स र्व बा ॥ ग वि म रु रु न न न रु वी रु व न य दि कि
का नी य न क न क स रु रु का य क ना रु वं म स ग रु अ न ग रु ह रि
क हा गु ल ख स व रु था ग रु नु धि रु रु खा हा ॥ ॥ ॐ स र्व वि

प्रा वृ सा न इ ॥ रु नं क या ल हा या ॥ ॥ व रु स य था या ना ॥ ॥ ॐ व रु

धिष्टिरुमीमयं का आदि चतुर्वीजं संज्ञाकं महाहं कायुश्रुतीक
लागदि मगु आय जी सँका आ नन्द म नू म श्री नल्लसी हासनसि
कं यप्रचद श्री वज्रसलद्वि तु कं नू क मुखं शु क व नू वज्रवज्रय
स्यधयवी विगा रु नग रु खि कं शीलसीयि व नधा वि सं नील व
रुं अक्षो लं कं श्री यो नं तु नूरु ध वं कं आत्मा ॥ ऊँ ई वं हाः पा धा
वमना अर्थ पुनी रु स्वाहा ॥ ॥ **वादा र्थ कया** ॥ ऊँ चन्द्रार्क विमलः

स्वाहा ॥ ऊँ वज्रसलपायं प्रहिरु स्वाहा ॥ ॥ **पृथग्नाम पाया** ॥ ऊँ
हमाहममम नू वनम ॥ ॥ ऊँ हां अक्षो म नू वनम ॥ ॥ ऊँ ई उ
ई म नू वनम ॥ ॥ ऊँ यं पूर्व विद हा यनम ॥ ॥ ऊँ नं कं वृद्धी वा
यमम ॥ ॥ ऊँ लं अयन गा डा बलि पा यनम ॥ ॥ ऊँ वं उ रु नः
गु नू वनम ॥ ॥ ऊँ या उ यद्रि पा यनम ॥ ॥ ऊँ आ उ यद्रि पा यन
म ॥ ॥ ऊँ आ उ यदी पा यनम ॥ ॥ ऊँ वा उ यदी पा यनम ॥ ॥

ॐ यगद्वत्ताय नमः ॥ ॐ नः पूवृषवत्ताय नमः ॥ ॐ लं जूध्व
वत्ताय नमः ॥ ॐ हे वेन्द्रिखवत्ताय नमः ॥ ॐ घाखेनवत्ता
य नमः ॥ ॐ बामनीवत्ताय नमः ॥ ॐ लाचकवत्ताय नमः
॥ ॐ वाउयदीयाय नमः ॥ ॐ बामर्वनीधानाय नमः ॥
ॐ जूयद्राय नमः ॥ ॐ जूसूर्याय नमः ॥ ॐ रुवनशीवज
सखयुववनमः ॥ ॐ वजपूथखाहा ॥ **खाना** ॥ ॐ वजगथखाहा ॥

मी ॥ ॐ वजसिंधूवखवनखाहा ॥ **सीधूना** ॥ ॐ वजवर्तखाहा ॥ **जडीका**
ॐ वजधूपनमःखाहा ॥ **धूया** ॥ ॐ वजदीथखाहा ॥ **मका** ॥ ॐ वजनेवयखा
हा ॥ नेवया ॥ ॐ वजपूथखाहा ॥ **आ** ॥ ॐ वजनाजायखाहा ॥
मधुपूजा ॥ **सयदी** ॥ ॥ वजवर्तमयमनू ॥ अष्टद्विधायुभा
लीकं नानावत्तंसमाकि ॥ कदं नूहवरायने ॥ शुभखावजधर्म
खा ॥ सयखयुवव नीर्थाकयानिहावन ॥ संपूर्णवत्तमशुलः

॥ ~~वन्द्यस्य~~ ॥ ॥ ॐ श्रीः श्रीमद्भवकुसुमसुखगुणवन्धनशुभक
मलायसम्पत्कवद्वृत्तानां शास्त्रनायकनमः ॥ नमस्तु नमस्तु नमस्तु
मः ॥ ॐ श्रीः हे स्वात्मनः शान्तिः शुभं नार्थं प्रसीदस्व ॥ ॥ यथाप्रसादकीर्त
नसुखीकान्तकस्तत्र प्रसादाय प्रीतिः कलप्रहंसाधका नामस्यं नमो
नादमन्त्री वासुदेवयः कस्मै नमस्तु कीर्तये ॥ गुणस्तु नमस्तु ॥ नमो
दाय ॥ नमो धर्माय ॥ नमो सौम्याय ॥ महत्तमो श्रीः श्रीः नमस्तु सर्व

वृष्टान् नमस्तु प्रमोदगिनितायोः सधर्माभिलक्षणेनानन्दवृत्तलक्ष
नस्तु नमस्तु नमस्तु सर्वं पुण्डरीकाभाभयजनमादङ्गद्वयं वृष्ट
नामोदधनमः ॐ श्रीः नमस्तु नमस्तु ॥ नमस्तु धर्माय ॥ नमस्तु श्रीः श्रीः
तं कवुमेवः स्वयं नार्थं प्रसीदस्व ॥ ॥ ~~वन्द्यस्य~~ ॥ ॥ ॐ श्रीः श्रीः
नमस्तु प्रीतिः कस्तत्र ॥ ॥ नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु
कान्तनमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु नमस्तु

कस्तमले सकल सत्त्व. सत्त्वो सकल सत्त्व. कस्तमले रुवडु रु. पत्रमा हि धका ॥
 मरुसखाने. हानसखाने. इधसखाने. दधीसखाने. मधूसखाने. लोमी
 पाशमकमरुसखाने. अरुवकयामी ॥ ॥ पुनीविदुसमाधर्मी. अरुव
 वाहिनादीना. रुडु कर्म कला रुव ॥ ॥ ~~नायकी कर्म~~ ~~हस्तार्जव~~ ~~सीत~~
~~क~~ ॥ रुवजहममभुलख सर्वकथाग. धीराना धीरकी रुडुखाहा ॥ रुवजव
 लखखाहा ॥ रुवजसी नूनविहृषनखाहा ॥ रुवजवमुखाहा ॥ ~~खान~~

॥ स्वस्तिव कनूनी वृद्ध. स्वस्तिदवा मी सकलाश. स्वस्ति स नीलिरुजा नी. सत्र
 कालेदिसे रुव ॥ वृद्ध पू. धानरुवाधन. दवगाना मरुन वरु. जी जी अर्थसमती
 पुन. स नीलादसमधर्मी ॥ स्वस्ति वादिमदलां रु. स्वस्ति वा रुवडु पदहास्व
 स्ति वा वरुका मार्ग. स्वस्ति पुकाग स पूव ॥ स्वस्ति ना प्रो स्वस्ति दवा. स्वस्ति
 दवा. स्वस्ति न अदिन स्की रु. सर्व ध स्वस्ति रु. मार्ग धे पाया पमाग मरु
 यानी रु. रुतानि निरुतानि. समागता नी. रुमावधवा वनी रु. रुव नु मेजा

समर्पे यज्ञादि वाचनाशोचनननुधर्मः॥ ॥ ~~पञ्चमनामपूजा~~
॥ ~~पञ्चमनामपूजा~~ ॥ ॐ वेनावनोय स्वाहा ॥ ॐ अक्राणा य स्वाहा ॥ ॐ जलसेराय
स्वाहा ॥ ॐ अमीनालाय स्वाहा ॥ ॐ अभायसीय स्वाहा ॥ ॐ लावनीय स्वा
हा ॥ ॐ नामकिथ स्वाहा ॥ ॐ पातुनाय स्वाहा ॥ ॐ आर्यतानाय स्वाहा ॥ ॐ
॥ ॐ प्रहापात्रमीनाय स्वाहा ॥ ॐ गन्धविहाय स्वाहा ॥ ॐ दनरुमीय
नाय स्वाहा ॥ ॐ सप्तात्रायाय स्वाहा ॥ ॐ लंकावनानाय स्वाहा ॥ ॐ तलीकवी

रुनाय स्वाहा ॥ ॐ सक्रधमपुनो काय स्वाहा ॥ ॐ पुवर्ष्यपुनासाय स्वा
हा ॥ ॐ कथागरुडकाय स्वाहा ॥ ॥ ॐ आर्यावत्याकीकृष्णनाय
स्वाहा ॥ ॐ मेदीयाय स्वाहा ॥ ॐ गगनगजाय स्वाहा ॥ ॐ समकुरुजाय स्वा
हा ॥ ॐ वज्रपात्राय स्वाहा ॥ ॐ मरुताभाय स्वाहा ॥ ॐ सर्वनीव हविर्क
हाय स्वाहा ॥ ॐ कीर्तिगर्हाय स्वाहा ॥ ॐ स्वगहाय स्वाहा ॥ ॥ ~~उनि~~ ॥
ॐ वन्द्य श्रीवज्रसत्त्वः पुवनगुर्व्वर्णः सर्ववृद्धरुवाकैः नानाभूपनयनैः

॥ किमी नरु यरु नगां ॥ किं निर्मा कं म नू ॥ के ॥ धर्मा ॥ हुमनि नो, किन गु
जनमी कं मरु संव नू ॥ सर्वान न्दे क नू यं यनम पीव प्रदे दहि ॥
भाक हं ॥ ॥ हुं नमस्तु सर्व वा पी शु गता प्रा यं ॥ जो नमहा नाशं य
क नू नमो भु ॥ ॥ हुं नमो नत्त व पा य ॥ या सर्व सु न यान य स्य य
स मं ॥ के पी न हं ॥ वा व को या मा न हं ॥ या इ ग द्वि क क ना लो का र्थ
से पा ली का सर्वा का न मी ॥ य द कि म न ॥ वि न्व य या से ग ना ॥ क स्मे ॥

व क वा धि स त्व ग मी ना वृ द्ध स्य मा न न म ॥ ॥ हुं लो क ना र्थ इ ग हं स
र्व सर्वा मा र्थ गु ॥ ॥ हुं नमो नत्त व पा य ॥ या सर्व सु न यान य स्य य
अ प्रा प वा य नी ना ना द स्य वा य न या वि ला यं पुन म श्री की ना र्थ क स्मे
र्व क नु म ह सी ॥ क नु म हं क रं व द्वा यं व ना क ल का थ य ॥ व क्रा था
लो क या ला य या नि हं ला वि धी की या ॥ नि स किं व पू किं व रु क स्या
नू य हा य न ॥ य न्क रं द हं क दि वी नू म या न्क रं धि या पु न ॥ क न यं व ना

सवित्री वसुदेव
दीपकान्त उरगा
को न भव

ॐ देव
शिवान्त
शान्त
कादाव
कोदाव
विदेव

	५११
शिवान्त शान्त	

शिवान्त शान्त
कोदाव विदेव
शिवान्त शान्त
कोदाव विदेव

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्री कृष्ण वीर्य हृदये ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥

विष्णु लीला ॥ १० ॥ पुस्तक ॥ १० ॥ चरितं पुरुषं ॥

स १०

यं कं देहं भावनं च भावनादयः श्रीसुनयनं याति ॥ हृया विरधया
हृवधया कथा कथा ॥ ~~वामनसंज्ञा~~ ॥ ॥ ॐ नशा वा नृ ॥
श्रीवीयनमस्वाहा ॥ ॐ नृनं गिनीदवी नमस्वाहा ॥ ॐ नृनं दनीदवी
यनमस्वाहा ॥ ॐ नृनं धनीदवी यनमस्वाहा ॥ ॐ पद्मराजना यन
मस्वाहा ॥ ~~पद्मराजना यन~~ ॥ ॥ नीलनीलं च नीलाकाशं ॥

क
न
क

स ११

गर्भगीनी ॥ हृक्काहं त्वा माहावाक ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ ॥ ॐ स
माहर्कं रुद्र ॥ ॐ श्रीहनुक मीनक ॥ ॐ रुद्रं रुद्र ॥ ॐ रुद्रं रुद्र ॥ ॐ रुद्रं
रुद्र ॥ ॐ रुद्रं रुद्र ॥ ॐ रुद्रं रुद्र ॥ ॐ रुद्रं रुद्र ॥ ॐ रुद्रं रुद्र ॥ ॐ रुद्रं रुद्र ॥
रुद्र ॥ ॐ रुद्रं रुद्र ॥ ॐ रुद्रं रुद्र ॥ ॐ रुद्रं रुद्र ॥ ॐ रुद्रं रुद्र ॥ ॐ रुद्रं रुद्र ॥
रुद्र ॥ ॐ रुद्रं रुद्र ॥ ॐ रुद्रं रुद्र ॥ ॐ रुद्रं रुद्र ॥ ॐ रुद्रं रुद्र ॥ ॐ रुद्रं रुद्र ॥
रुद्र ॥ ॐ रुद्रं रुद्र ॥ ॐ रुद्रं रुद्र ॥ ॐ रुद्रं रुद्र ॥ ॐ रुद्रं रुद्र ॥ ॐ रुद्रं रुद्र ॥

वलि. महासूखली नीचि कयइ ॥ ॥ पूं जां ठां भ्रां लीं नो दं मा का डा प्रिका
कंलं का हिं पुं गुं सां सुं नीं सैं भं कं ॥ ॥ यीं (नय पी०) रुं धा य रुं रुं रुं रुं
पुं रुं रुं. मलाय का मलाय का रुं. भ्रं भ्रां नाय भ्रं भ्रां भं रुं. सदा रि रुं
का ल. ना सि स म हा. अ क नी सुं रुं व न भ्रं का. पुं नू वू द्र वा वि स ला रि
॥ श्री व क स य न स मा पु ल र्थ. आ क र्थ य रुं रुं रुं व जा क स रुं ॥ रुं व ज
वा भं रुं ॥ रुं व ज स रुं ट वी ॥ रुं व जां व न हा ॥ ॥ रुं व व न स रुं ना य
वा भं रुं ॥ रुं व ज स रुं ट वी ॥ रुं व जां व न हा ॥ ॥ रुं व व न स रुं ना य

श्री ह न क रु का न का य. पा र्थ य। नि रु स्या हा ॥ रुं यी रुं र्थ पुं ना रुं स्या हा
॥ रुं भ्रं र्थ पुं नि रु स्या हा ॥ रुं भ्रां व स नैं पुं नि रु स्या हा ॥ रुं रुं व रुं हा ॥
रुं श्री व रु ह नू क रु। कि नी का ल स य व न स्या हा ॥ रुं स र्व व रु द्यो की नी
य व रु व रु नी य रुं रुं रुं रुं ॥ रुं व रु व रु नी य रुं रुं रुं रुं ॥ रुं रुं की नी य रुं
रुं रुं ॥ रुं ना मा य रुं रुं रुं रुं ॥ रुं य रु ना रुं रुं रुं रुं ॥ रुं व र्थ नी य रुं रुं रुं रुं ॥ रुं व
रुं रुं रुं रुं रुं रुं रुं ॥ रुं स म य रुं रुं रुं रुं रुं रुं रुं ॥ रुं वी स म य रुं रुं रुं रुं रुं रुं रुं

स १५

ॐ रुद्र ॥ ॐ समय वि समय म क नाटक रुद्र ॥ ॐ काका म रुद्र ॥ ॐ
 लुका म रुद्र ॥ ॐ खाना म रुद्र ॥ ॐ सुकला म रुद्र ॥ ॐ यमदा
 दीय रुद्र ॥ ॐ यम इ निया रुद्र ॥ ॐ यम इ क्षीय रुद्र ॥ ॐ यम म
 थनीय रुद्र ॥ ॐ चन्द्राग्र हाय स्वाहा ॥ ॐ गङ्गा लाय स्वाहा ॥ ॐ काला
 कलाय स्वाहा ॥ ॐ कनक रे धी नवाय स्वाहा ॥ ॐ अह हा माय स्वाहा
 ॐ लक्रि वरु रुद्रा म नाय स्वाहा ॥ ॐ धाना म नाय स्वाहा ॥ ॐ

स १५

किली की लाय स्वाहा ॥ **खाना म नाय ॥ पूषा नाय ॥ ॥ मुक्ति ॥ ॐ नम**
 ४ स चर्च कथा गतः सुलली नवीना सन मी न न मा मी रुग वनः जै हं व हा
 कसुमा जलीना था हा ॥ **॥ पञ्चमयान पूजा ॥ लाया ॥ मुक्ति ॥ ॐ वज्र स**
 त्व सै ग्रा हा म की वज्र बल मन रु न श वज्र धर्म ग्रा य म न वज्र कर्म
 कला रुव ॥ ॐ वज्र वी न हं ॥ ॐ वज्र व ला शी ॥ ॐ वज्र म द ग्री ॥ ॐ वज्र
 म र्प्य भू ॥ ॐ वज्र ना म्भ हं ॥ ॐ वज्र ना ल शी ॥ ॐ वज्र नी क शी ॥ ॐ वज्र न

स १६

ॐ वज्र पूषा हं । ॐ वज्र पूषा हं । ॐ वज्रावलाकि हं । ॐ
गन्धवज्र हं । ॐ वज्रादरभ हं । ॐ नहसवज्र हं । ॐ मूर्धनवज्र हं
॥ ॐ धर्म धातुवज्र हं । ॐ ज्ञानादयमा । नमस्कृतं । नमामि हं ।
नमो हं । ॐ आ हं । हं वज्र । हा य ४ । नकीज हं । ॥ **नकीज हं ॥**
वज्र की न ॥ सा माला ॥ ॥ सर्व रुद्रानसदा हं । जगदर्थ प्रसाद की
विक्रामनिनवीरु हं । सम्यननम मुक्त ॥ ॥ **मुक्ति हा ज पा न**

स १७

न ॥ कवलपदलनील । कामकमालामल । धामनील महा वायू
वेखानलीला महामदिनी ॥ मण्डला धरुहमाचला । सायनीकीन
पद्मासना । श्रीनमाकांक्ष । सर्वानमाग । समामूर । गोनीरुन ॥
द्वंद्वमानालिना धनु । सूर्याद्यादिदवारुने । वनीनशासिका । न
कदेत्याकली । लाकनकाकने । सर्वसिंघाहने । व्याघ्रचर्म **ध्वनी ॥**
इस्कने इस्कने । धीनगमिन । हं कानरुद्रकान । हाहाकानवायू

हे सर्वस्वनाविष्णु वज्रार्ध. वन्द्यार्कसंस्कृतं धरुमाही धका
न. सैना नमहा सैनाह न. कलवद्वयधारासना (धाल. सर्वाङ्ग
रमायम)। गुराव्यज्ञानं नृणां धरुमावाङ्मनालिङ्गनं मर्हन्मा
रुगवर्मा मर्हन्. ध्याय हस्तद्वयं विरून्त्य नृणां नृणां कर्हि
कलवद्वयधारां ग. ध्या (भा. ल.)। सदुष्कर्मसु १२. कृषी नृणां च यस्मिन्
नृणां नृणां १२. (भा. रुमानं. महाभा सभदासीनं. ध्यायी नृणां नृणां

१५५१ भा. १११

ध्यानी नृणां ध्यायी नृणां. ध्याय हस्तद्वयं विरून्त्य नृणां नृणां
कलवद्वयधारां ग. ध्या (भा. ल.)। सदुष्कर्मसु १२. कृषी नृणां च यस्मिन्
नृणां नृणां १२. (भा. रुमानं. महाभा सभदासीनं. ध्यायी नृणां नृणां

लीय ईरुद॥ ॐ माहाधूमान्धकात्राय ईरुद॥ ॐ नत्वा श्रीहनुकवीन
 सहजानन्दसकृन्नुचनधलाक डकिमूकिरुत्तप्रदं॥ ॥ ~~कनक~~
~~मा~~॥ ॐ चक्रघटचक्रलीखशा ~~स्नानकीयकाय~~॥ ॥ ॐ सर्ववृद्धता
 किनीय ईरुद॥ ॐ वज्रवानाहीय ईरुद॥ ॐ यामिनीय ईरुद॥
 ॐ कीर्त्तमाहातीय ईरुद॥ ॐ हकीर्त्तवानीनीय ईरुद॥ ॐ ईरुद सीः
 प्रासनीय ईरुद॥ ॐ ईरुद वशीकाय ईरुद॥ ॥ ~~पञ्चवक्त्रपूजा~~

जा

स २०

॥ ~~कु~~ ॥ ॥ ॐ नमः श्रीवज्रवानाहि सिन्दूगानूषादहदस्तहप्र
 राषहृदिनलीनायीका अस्यानन्दरुजैन स्नामकनगलाना
 विष्मलीकृता श्रीस्ववाधीविष्मनकननी वानाहिकीवजीनी
 सर्वसिद्धीप्रदायका रुगवकीदवीनमः सर्वदायामिन्नास्वन्
 माहनी रुगवकीसकृन्नीनी सर्वदा॥ सन्तासिन्धकथायनास
 विमलायागधनीवशीका वत्तानाहृजमेकमानन शुद्धीमे

स २१

लानोलासिका (गोत्रीली) स्यामा धूआ धू सनाथ. सकर्तव्य. सदा
कान्दवी. कुरुकानीरुमनूमादीरुमयमपीननीहिरुनीपीनः
शेषाभा. प्रकीदभयामि. पूनकः पूनकन. समनवीदध. अच
करवन्नजिनरुम. जिनजनमूरुसैरुनानि. कसलानिमनूमादि
नानी. वाक्षीसम्यकनीनामयानी. जिननलादिदिदय. अचनीः
जासिनो. सर्वरावनवाक्षीचीरुविदध. अनरुनमार्गकथसर्व

॥ ॐ आरुं सर्वगथागन कायवाकचीरु. खरावामकोरुं ॥
~~कसलानिमनूमादि~~ ॥ ॐ अथाहिजानमाकुल. स्यापीनापुद्रुदितानीना
कथाहसलानपयीष्यामि ॥ ॐ कूदेरुसवइत्येयूषाकैपूजनायन
सकूटपचकलीरुने. सर्ववृद्धमहोमकूट. प्रकीकलाहा ॥ ॐ वज्रध
नध्वनीअहीपीनइं ॥ ॐ सखवजीअहीपीनइं ॥ ॐ नखवजीअही
हीनइं ॥ ॐ कर्मवजीअहीपीनइं ॥ ॐ वृजमसिधर्मवजीअही

सू. २५

पी अरुं॥ ॐ हूं हूं हूं हूं हूं हूं वज्र वज्र हूं॥ ॥ अथाहिषिकत्वमसि व
वे वजा हीषकक. एक वज्र शुसिद्धय वज्र। वज्र सत्त्वा मही पी अरुं निनी
स वज्र समय स्या हा य ४॥ ॐ वज्र सत्त्वा मही पि अर्या मि वज्र नामा ही य
कक. श्री ह नूक नामा वार्य. ॐ रु व स्या॥ ॥ **पूजा नावा** ॥ ॐ वे ना व ना य स्या
हा॥ ॐ अक्रो ह्या य स्या हा॥ ॐ नल र्हा य स्या हा॥ ॐ अ मृ णं म वा य स्या
हा॥ ॐ अ माग ही य स्या हा॥ ॥ नमस्क पंच वृक्षा नां अक्रो ह्यादिक ल ६

सू. २५

श्रेव. मध्य वे ना व ने ना थं. य व वृद्ध नम मु कशा ॥ ॐ अरु नूका नूल स्य हि
य म नु. विसा नूग ल य म्. सैख अ नी रु सि ज वी ज. वृकि सा नू य द य द म
हा स्तान. सर्व वृद्ध मह रु वे॥ ॥ **जाय ना धन जाय ना य** ॥ **म व य वा न म**
जा ॥ ॐ श्री न क स म्भ न व ज वा ना हि द व ना. ह स्ता र्थे न म॥ **पूजा नावा** ॥
ॐ आ न न्दा य स्या हा॥ ॐ य न मा न न्दा म स्या हा॥ ॐ वी न मा न न्दा य स्या
हा॥ ॐ स ह ज्ञा न न्दा य स्या हा॥ **पूजा** ॥ ॥ नमस्क आ न न्द य न म ॥ श्रेः

व. विनमान नृधुगी क हा ख न. सह जा गु झ ह ला ख. पंच जी ना ल
 कंग न. नमस्ते हु न मान मश ना ग ना ना धि क व न्द. प्र न मा मि नु स
 वे दा ॥ **॥ वसी पूजा या य ॥** क हा री का भ ल वा यू म धु ली नै का भ ल
 अ णी म धु ली व का भ ल व डु ली. अ का ल ल प न हा ज नै. क डु रु का
 दि क ॥ ॐ कूं आं किं खं डूं लां मां यां तां लं. क डु द धि स्ति क. पं चा म रु प
 अ षु दि पे. नू प ल अ हि न व रा नू व ॥. इ व न नू र्प द द्वा. या न द व

ॐ श्री क ली प ली ॥ ॐ आ हूं अ श्री स्तु नै ॥ **॥ पूजा या न मा य ॥** ॥
 ॐ व न्दा ग हा य स्वा हा ॥ ॐ ग क ला य स्वा हा ॥ ॐ क्वा ला डू ला य स्वा हा ॥
 ॐ क न डू रे न वा य स्वा हा ॥ ॐ अ द हा सा य स्वा हा ॥ ॐ ल श्री व र्धु ड
 ना स ना य स्वा हा ॥ ॐ धा ना न्ध का ना य स्वा हा ॥ ॐ की ली की ला य स्वा
 हा ॥ **॥ ना म्ना ॥ क र्प न या ॥** ॐ ख ख स्वा हि र सर्व य क्क ना क्क स. रु क थु
 क पि ष ॥ वा त्मा दा क श की मा द य ॥ ॐ नै व सी गू ऋ कु पि व कु जि य

नु माद्रिकुमर्थ, सर्गाकाननया, सकुशुखविशुद्धयः साहाकोयेर
 वनु॥ मम॥ किनका कूर्बनुखरिखाहा॥ ॐ जीं ज्ञानमने प्रती
 कखाहा॥ ॥ बीन्दवीय॥ दूकानपलमन्दव, दूकान ७८ सी जा
 यका, दूकाननु हवइशुन्य, दूकाननु नभानमः॥ हलहीनयाय
 ॥ ॥ यी॥ ययी० कशायक, कन्दोयक, मलापेकायमला
 यक, मम॥ नायमम॥ न, रुवसमसंग, रुगनसीकल्पहंगम, खनी

वले कल्प हावा हावना नीकु मा ना ॥ गु नू न न क नू ध कू ली न ची
हाम्बू ना था कू नू कू नू नू दं धा मर्यो ति मानू मा ॥ ॥ अ प्रो क च्चा
य नी हू ना द स ग्वा च म आ बी हा यी वू न म धी की ना थी न ल्ते र्व द स
मा नि ही न मू मु क वू ध अ न क (ग) च न न म ल स ल प्र का स मू न
न म ल स ल प्र की लो य प्र दा य भा व स स र्व च का सा स रू ला क
व नू ॥ ॥ ॐ श्री ह नू क स म य म नू पा ल य ह नू क न ना प्र दा ल